

18/1/24

बार - बार आवाज दिलावारे जाने
के बावजूद भी ना तो अपीलान्त शंका
या ही अधिभाषक अपीलान्त उपर आये। अतः
पत्रावली अदम्य दायरी अदम्य. देखी में
रकारिज की जाने है। इत्येता अधिभाषक उपर
पत्रावली में प्रथम सुमार की अदम्य, अदम्य
से अदम्य में जावे, बाद जाका शरिवा
उपमर ही।

धू-प्रबन्ध अधिकारी
पलेन
राजस्व अपील प्राधिकारी
भरतपुर कैम्प धौलपुर